आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उप-सभा एवं आर्य युवा समाज पश्चिम बंगाल के तत्वावधान में

'आओ संसार सुखी बनाएँ' की उद्देश्य पूर्ति हेतु

51 कुंडीय विश्व कल्याण यज्ञ एवं आर्य महासम्मेलन का आयोजन

आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा एवं आर्य युवा समाज, पश्चिम बंगाल के तत्वावधान में गत 6 – 7 फ़रवरी को डी.ए.वी. मॉडल स्कूल, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल में 'आओ संसार सुखी बनायें' - 51 कुंडीय विशव कल्याण हेतु यज्ञ एवं आर्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली से पधारे अध्यक्ष, डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति, नई दिल्ली, प्रधान, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली, आर्यरत्न श्री पूनम सूरी जी उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों के रूप में श्रीमती मणि सूरी, निदेशक, प्रकाशन विभाग, डी.ए.वी. कॉलेज प्रबंधकर्त्री समिति, नई दिल्ली श्री एस. के. शर्मा एवं पब्लिक स्कूल्स, निदेशिका — II- डॉ. निशा पेशिन सहित संन्यासी, विद्वान, अन्य प्रांतों से आए क्षेत्रीय निदेशक, सह क्षेत्रीय निदेशक, प्राचार्य एवं अध्यापक वर्ग सहित लगभग 1000 अतिथियों ने अपनी उपस्थिति से आयोजन को सफल बनाया।

दो दिवसीय आयोजन में पधारे मुख्य अतिथि आर्यरत्न श्री पूनम सूरी एवं श्रीमती मणि सूरी का बंगाल की संस्कृति के अनुरूप पारंपरिक ढंग से भव्य स्वागत किया गया। प्रधान, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा एवं आर्य युवा समाज, पश्चिम बंगाल, सुश्री पापिया मुखर्जी व अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि सहित मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का अभिवादन कर उन्हें सम्मानित किया। अध्यक्ष, डी.ए.वी. दुर्गापुर प्रबंध समिति श्री श्रुतिकांत पाल ने मुख्य अतिथि आर्यरत्न श्री पूनम सूरी को मान-पत्र भेंट किया। डी.ए.वी. गान, वेद मंत्रों पर नृत्य एवं बंगाल की छवि को दर्शाते हुए एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

तत्पश्चात मान्य श्री पूनम सूरी जी ने 16 विद्यालयों से आए लगभग 1000 शिक्षकवर्ग एवं विद्यार्थियों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने आर्य समाज के स्तंभ महात्मा हंसराज, महात्मा आनंदस्वामी, गुरुदत्त विद्यार्थी, लाला लाजपत राय आदि के तप एवं त्याग को नमन करते हुए उनके मार्ग का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया।

दूसरे दिन महासम्मेलन का शुभारंभ 51 कुंडीय महायज्ञ से हुआ और वैदिक मंत्रों की गूँज के साथ सभी आर्यजन भावविभोर हो उठे एवं संपूर्ण प्रांगण यज्ञमय हो उठा।

तत्पश्चात सम्मानीय श्री पूनम सूरी जी ने संपूर्ण आयोजन की अध्यक्षता निभाने वाले स्वामी धर्मानंद सरस्वती सहित स्वामी व्रतानंद सरस्वती, आर्य प्रह्लाद गिरि, खुशहाल चंद्र आर्य एवं चाँद रतन दमानी को प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में आर्यरत्न श्री पूनम सूरी ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करते हुए सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने संध्या, स्वाध्याय, सत्संग, सेवा को जीवन में धारण कर, जीवन सुखी बनाने का सरल एवं श्रेष्ठ मार्ग अपनाने पर बल दिया।

इसी अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथियों सहित मुख्य अतिथि श्री पूनम सूरी जी ने अपने कर कमलों से दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान कर समाज सेवा का महत्त्व समझाया।

‘आओ जीवन सुखी बनायें’ कार्यक्रम के आयोजन एवं इसकी परम आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए प्रधान, आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा, एवं आर्य युवा समाज, पश्चिम बंगाल, सह क्षेत्रीय निदेशिका सुश्री पापिया मुखर्जी ने आर्य शिरोमणि श्री पूनम सूरी जी सहित समस्त आर्य बंधुओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने डी.ए.वी. संस्था को अपने प्रयासों से उन्नत बनाने, नैतिकता एवं जीवनमूल्यों को शिक्षा में महत्त्वपूर्ण स्थान देने एवं एंग्लो वैदिक शिक्षा पद्धति के उचित निर्वाह हेतु अपनी कटिबद्धता का संकल्प लिया।